निमोद समिति बनी आर्थिक विकास का हब

नागौर जिले की निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति नवाचारों और सेवाओं के विस्तार के माध्यम से राजस्थान में नया इतिहास लिख रही है। संचालक मण्डल के सदस्य व कार्मिक ग्राम स्तर पर सहकारी समिति को आर्थिक गतिविधियों के हब के रुप में विकसित करने में लगे हुए हैं। इसमें काफी हद तक सफलता भी प्राप्त हुई है और प्रदेश की अन्य सहकारी समितियों के लिए प्रेरणास्पद भी है।

निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति द्वारा फसली सहकारी ऋणों के साथ ही सदस्यों की अन्य ऋण जरुरतों को भी पूरा किया जा रहा है। समिति द्वारा 750 टन क्षमता के गोदाम में भण्डारण क्षमता के साथ ही समिति का अपना सुपर मार्केट संचालित हो रहा है। समिति द्वारा 1997 से मिनी बैंक का संचालन किया जा रहा है और अब मिनी बैंक की दो नई शाखाएं खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। समिति के मिनी बैंक में दैनिक जमा योजना में 15 लाख रुपए की बचत जमा के साथ ही सात करोड़ रुपए की सभी प्रकार की जमाओं का संग्रहण है। गत दस वर्षों से समिति स्तर पर ग्रामीणों को लॉकर सुविधा दी जा रही है और अब तो समिति गोल्ड लोन देने पर विचार कर रही है। मिनी बैंक का काउन्टर किसी व्यावसायिक बैंक की तुलना में कम नहीं है। मिनी बैंक पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत, सुसज्जित, एचडीएफसी बैंक के सहयोग से पूरे भारत वर्ष के लिए डीडी सुविधायुक्त है। इसके साथ ही मनरेगा श्रमिकों को भुगतान किया जा रहा है। इफको और कृभको जैसी लाभकारी संस्थाओं में हिस्सा राशि विनियोजन से 20 प्रतिशत तक लाभांश प्राप्त किया जा रहा है। समिति द्वारा स्वंय सहायता समूहों का गठन व वित्त पोषण के साथ ही क्षेत्र में जेएलजी का गठन कर पशु संवर्द्धन में भी सहयोग देते हुए ग्रामीणों की अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। खासबात यह है कि समिति पिछले 25 वर्षों से केन्द्रीय सहकारी बैंक की मांग के विरुद्ध शतप्रतिशत ऋण वसूली कर रही है। एनपीए का स्तर नाममात्र का है। समिति का अपना सभागार, अपना विश्रामगृह, अपना भवन, अपना गोदाम है। समिति के कार्यक्षेत्र की 98 फीसदी आबादी किसी न किसी रुप से समिति की सेवाओं से जुड़ी हुई है।

समिति की ताकत

निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति की सबसे बड़ी ताकत श्रेष्ठ संचालक मण्डल है। समिति के अध्यक्ष श्री खेमाराम बुगालिया के नेतृत्व में समिति का संचालन हो रहा है। समिति के7 कर्मचारी है व सभी निष्ठापूर्वक सेवाएं देते हुए समिति के कारोबार को बढ़ाने और क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सहकारी सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि समिति दिन प्रतिदिन विकास के नए आयाम स्थापित करती जा रही है।

भावी योजना

निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति के संचालक नित नए कारोबार शुरु करने के लिए प्रयासरत है। समिति मिनी बैंक की दो नई शाखाएं खोलने, स्वर्ण आभूषणों पर ऋण देने, दक्षिण भारतीय समितियों की तरह कोर बैंकिंग व्यवस्था शुरु करने, समिति कार्यक्षेत्र में एटीएम स्थापित कर मनरेगा श्रमिकों, खातेदारों व अन्य को भुगतान सुविधा देने, महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहयोग प्रदान कर पापड़-बड़ी, नागौरी मैथी, साबुन, आचार आदि स्वरोजगार के कार्य शुरु कराने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। समिति अपनी विद्युत जरुरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा संयत्र लगाने, मनरेगा श्रमिकों को भी समिति का सदस्य बनाने और उपभोक्ता सेवाओं में सरस डेयरी का बतौर एजेन्ट काम शुरु करना चाहती है। इसी तरह से ग्रामीणों को एमुपालन के लिए प्रेरित करने की योजना है।

पुरुस्कार

समिति की गतिविधियों और उपलब्धियों को देखते हुए जिला स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक समिति पुरस्कृत होती रही है। 2007-08 में समिति को सुभाष यादव अवार्ड से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। इसी तरह से रजिस्ट्रार स्तर पर एवं जिला स्तर पर समिति को पुरस्कृत किया जाता रहा है।

निमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति इस मायने में अन्य ग्राम सेवा सहकारी समितियों से इतर है कि समिति सभी तरह के ऋण वितरण, जमा योजना का संचालन, डीडी की सुविधा, सुपर मार्केट का संचालन, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन व इसी तरह की अन्य गतिविधियों का संचालन कर रही है। इसके साथ ही एटीएम जैसी सुविधा और कोर बैंकिंग सुविधा से जुड़ने के लिए प्रयासरत है। अन्य समितियों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।